Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding the impact of dust pollution caused by cement factories in Anantnag.

श्री हसनैन मसूदी (अनन्तनाग) : जनाब, आपने मुझे एक संगीन माहौलियाती आलूदगी का मामला उठाने की इजाजत दी है, उसके लिए आपका बहुत-बहुत शुक्रिया । मेरे संसदीय क्षेत्र के एरिये में करीब 8 सीमेंट फैक्ट्रीज़ हैं, जो माहौलियाती आलूदगी का सबब है, बहुत बड़े प्रदूषण का सोर्स हैं । वहां पर जो डस्ट पॉल्यूशन है, इससे पहले वहां का इलाका हॉर्टिकल्चर और सैफरान के लिए माना जाता है, वह पहले ही मुतास्सिर है ।

जनाब, यही नहीं, जो पास में जंगलात हैं, वे भी मुतास्सिर हैं और दाचीगाम का नेशनल पार्क जो कि जम्मू-कश्मीर का गौरव है, वह भी खतरे में है । एक तो ये सीमेंट फैक्ट्रीज़ वाले लोकल रिसोर्सेज का इस्तेमाल करते हैं, वहां के जो लोकल लाइमस्टोन है, उसका भी इस्तेमाल करते हैं । उससे सेहत पर असर पड़ रहा है । जो दिल के मरीज हैं, उनकी तादाद बढ़ती जा रही है, जो रेस्पेरेटरी डिसीजेज़ हैं, वह भी बढ़ती जा रही हैं । मेरा यह मुतालबा होगा कि पहले एक ऑडिट किया जाए । फैक्ट्रीज़ चलें, काम हों, लेकिन पहले ऑडिट किया जाए । यह माहौलियाती आलूदगी के लिए जो इक्विपमेन्ट्स हैं, क्या वे लगाए गए हैं?

दूसरी बात यह है कि जो लोकल पॉपुलेशन का नुकसान हो गया है, पॉल्यूटेड टू पे का जो प्रिंसिपल है, जो यूनिवर्सिली माना जाता है, क्या उसके तहत सरकार कोई एहतमाम करेगी, ताकि उनका लॉस असेस करके, इन फैक्ट्रीज़ ऑनर्स को कहा जाए कि वे क्षतिपूर्ति करें । तीसरी बात यह है कि जो मुलाज़मते हैं, वे भी वहां नहीं मिलते हैं । उसके ओनर्स श्रीनगर की पॉश कॉलोनियों में रहते हैं, लेकिन लोगों को 24 घंटे डस्ट पॉल्यूशन बर्दाश्त करना पड़ता है ।...(व्यवधान)

जनाब, वहां के जो हॉस्पिटल्स हैं, सरकार उनको सब डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल्स बनाएं । चौथी बात यह है कि जो ऑडिट करने जा रहे हैं....(व्यवधान) इस ऑडिट की जो भी रिपोर्ट है, उसको हाउस के सामने रखें ।...(व्यवधान)

माननीय सभापति : माननीय सदस्यगण, प्लीज एक मिनट की समय-सीमा का ध्यान रखें ।